TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

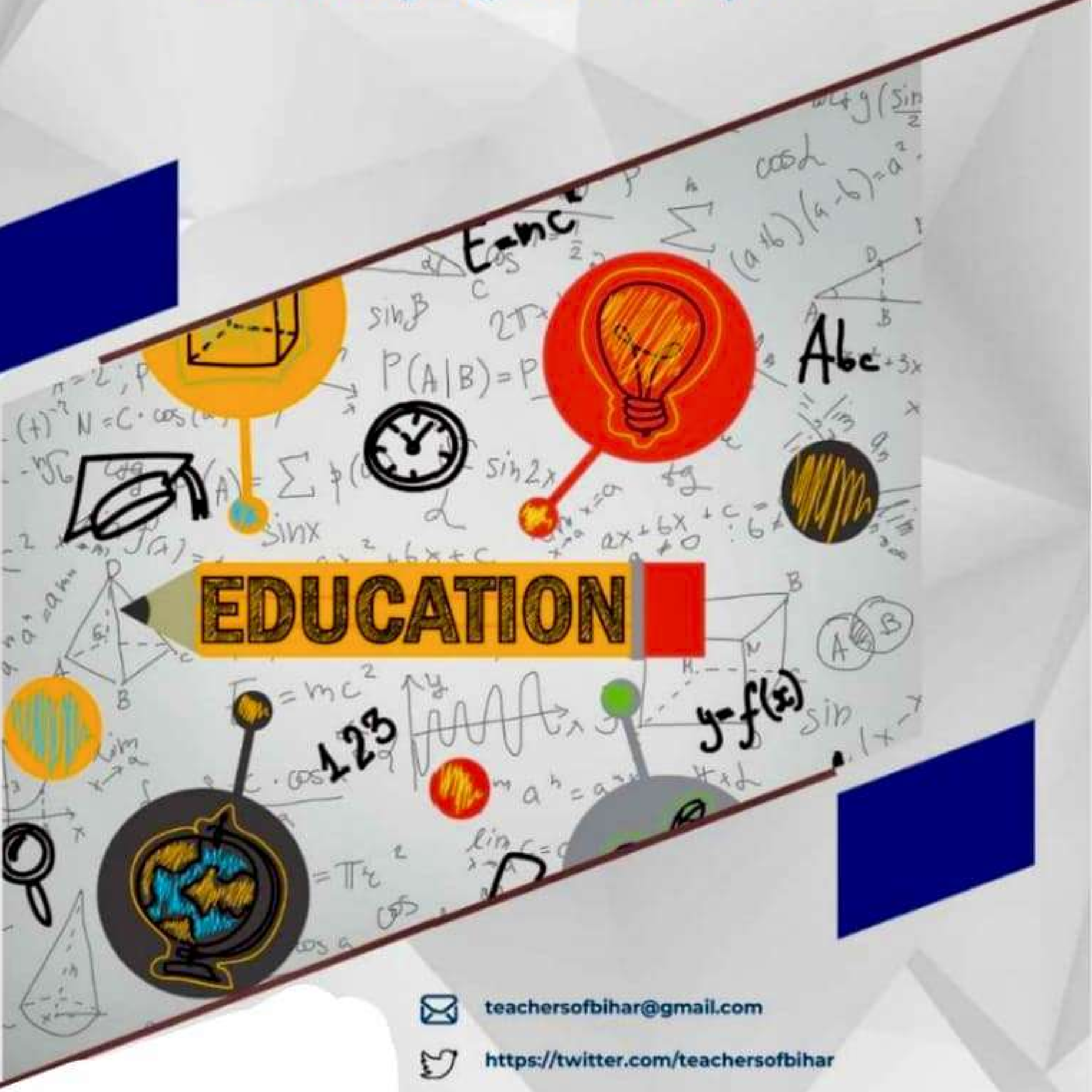

teachersofbihar@gmail.com
https://twitter.com/teachersofbihar
https://www.youtube.com/c/teachersofbihar
https://www.facebook.com/teachersofbihar
https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar
www.teachersofbihar.org

22 जुलाई 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

ज्ञान वह दीपक है, जो स्वयं भी प्रकाश देता है

और दूसरों का मार्ग भी रोशन करता है।

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **22.07.2026**

अधिगम वक्र

अधिगम वक्र (Learning Curve) वह रेखाचित्र (ग्राफ) है जो यह दर्शाता है कि अभ्यास या अनुभव बढ़ने के साथ किसी व्यक्ति के अधिगम (सीखने) में किस प्रकार प्रगति होती है।
अभ्यास के साथ सीखने की प्रगति को दर्शाने वाला ग्राफ अधिगम वक्र कहलाता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

फीफा वर्ल्ड कप में स्पेन ने **अर्जेंटीना** को 1-0 से हराकर **विश्व चैंपियन** का खिताब अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ **लियोनल मेसी** ने अपने **रिटायरमेंट** की भी घोषणा कर दी है।

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

मधु प्रिया

22 जुलाई

राष्ट्रीय झंडा दिवस

हमारा झंडा, हमारी पहचान, हमारा गौरव, हमारा सम्मान।

राष्ट्रीय झंडे का महत्व

- राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश की एकता, अखंडता और स्वाभिमान का प्रतीक है।
- यह हमें देश के प्रति प्रेम, त्याग और जिम्मेदारी की प्रेरणा देता है।
- हमारा तिरंगा हमें गर्व से सिर ऊँचा करके जीना सिखाता है।

राष्ट्रीय झंडे का इतिहास

- हमारा तिरंगा झंडा हमारे स्वतंत्रता संग्राम की गौरवशाली यात्रा का साक्षी रहा है।
- 1906 में पहली बार कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) में एक तिरंगा फहराया गया।
- 1921 में पिंगली वेंकैया जी ने वर्तमान तिरंगे का प्रारूप तैयार किया।
- 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने हमारे राष्ट्रीय ध्वज को आधिकारिक रूप से अपनाया।
- यह दिन हमारे राष्ट्रीय गौरव, एकता और स्वतंत्रता का प्रतीक है।

तिरंगे का अर्थ

केसरिया रंग	त्याग, बलिदान, साहस और निस्स्वार्थ सेवा का प्रतीक। सेवा का प्रतीक है।
सफेद रंग	सत्य, शांति और पवित्रता का प्रतीक है। यह हमारे जीवन का मार्गदर्शक है।
हरा रंग	समृद्धि, खुशहाली, प्रगति और जीवन शक्ति का प्रतीक है।
अशोक चक्र (नीला रंग)	धर्म, न्याय, गति और निरंतर प्रगति का प्रतीक है। इसमें 24 तीलियाँ हैं जो 24 घंटे के कर्तव्यों का स्मरण कराती है।

राष्ट्रीय झंडे का सम्मान कैसे करें

- तिरंगे झंडे को हमेशा सम्मान और गरिमा के साथ फहराएँ।
- झंडे को जमीन, पानी या किसी अपवित्र स्थान से छूने न दें।
- क्षतिग्रस्त या मैले झंडे का उपयोग न करें।
- झंडे को फहराते समय सीधा खड़े होकर सम्मान प्रकट करें।
- तिरंगे का उपयोग किसी वस्त्र, सजावट या विज्ञापन के रूप में न करें।
- राष्ट्रीय एकता, अखंडता और भाईचारे को बढ़ावा दें।

राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के नियम

- झंडे का सदैव सम्मान करें, इसे कभी जमीन पर न गिरने दें।
- झंडे को साफ, सही स्थिति और सही स्थान पर फहराएँ।
- झंडे का उपयोग किसी विज्ञापन, वस्त्र, कुशन, नैपकिन या सजावट के लिए न करें।
- झंडा फटा, गंदा या क्षतिग्रस्त हो तो उसे सम्मानपूर्वक नष्ट करें, फेंके नहीं।
- झंडे को सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराएं, विशेष अवसरों पर रात में भी फहराया जा सकता है।
- राष्ट्रगान के समय खड़े होकर झंडे को सलामी दें।

हम क्या कर सकते हैं ?

- अपने दिल में देशभक्ति की भावना रखें।
- देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करें।
- अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें।
- स्वच्छ भारत, सशक्त भारत और विकसित भारत के निर्माण में योगदान दें।
- तिरंगे की शान को सदैव बनाए रखें।

तिरंगा – हमारी पहचान

तिरंगा केवल एक झंडा नहीं,
यह हमारे करोड़ों देशवासियों की
भावनाओं, आशाओं और सपनों का प्रतीक है।
आइए, हम सब मिलकर अपने तिरंगे
का सम्मान करें और भारत माता की
शान को हमेशा ऊँचा रखें।

जय हिन्द ! जय भारत !

"झंडा हमारा अभिमान है, इसकी शान में ही हिंदुस्तान है।"

Teacher's of Bihar

The change makers

जुलाई 22

22 जुलाई

का इतिहास, जन्म और निधन

22 जुलाई की महत्वपूर्ण घटनाएँ

- **1999** • अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा समान कार्य के लिए समान पारिश्रमिक की कार्य योजना लागू।
- **2001** • शेर बहादुर देउबा नेपाल के नये प्रधानमंत्री बने, समूह-आठ देशों का जिनेवा में सम्मेलन सम्पन्न।
- **2004** • शांति के लिए 1976 में नोबेल पुरस्कार जीतने वाली बेटी विलियम्स मैक्सिको में गिरफ्तार।
- **2005** • आतंकवादी होने के संदेह में लंदन पुलिस ने निर्दोष ब्राज़ीली नागरिक जीन चार्ल्स डे-मेंसेज को मार गिराया।
- **2008** • पाकिस्तान के परमाणु वैज्ञानिक अब्दुल कादिर ख़ान ने एक अदालत में अपने ख़िलाफ़ लगे प्रतिबंधों हेतु पुनर्विचार याचिका दायर की।
- **1947** • भारत का राष्ट्रीय ध्वज 22 जुलाई, 1947 को भारत के संविधान द्वारा अपनाया गया था।
- **2009** • 22 जुलाई 2009 का सूर्यग्रहण 21वीं सदी का सबसे लंबा पूर्ण सूर्यग्रहण था।

22 जुलाई को जन्मे व्यक्ति

- **1923** • मुकेश, प्रसिद्ध पार्श्व गायक
- **1965** • संदीप पांडेय - 'रेमन मैगसेस पुरस्कार' से सम्मानित प्रसिद्ध भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता।
- **1998** • विनायकराव पटवर्धन - प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीत गायक
- **1970** • देवेन्द्र फडणवीस, महाराष्ट्र के 18वें मुख्यमंत्री
- **1959** • अनंत कुमार - भारतीय जनता पार्टी से संबंधित, प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ एवं वर्तमान कैबिनेट मंत्री (रसायन और उर्वरक)
- **1949** • रीता बहुगुणा जोशी - प्रसिद्ध महिला राजनीतिज्ञ तथा 17वीं लोकसभा की सांसद हैं।
- **1933** • हिम्मत शाह - भारत के प्रसिद्ध मूर्तिकार हैं।
- **1894** • सरदार तेजा सिंह अकरपुरी - पहली लोकसभा के सदस्य।

22 जुलाई को हुए निधन

- **1933** • यतीन्द्र मोहन सेन गुप्त - भारतीय स्वाधीनता संग्राम के प्रमुख नायकों में से एक।
- **1968** • मुत्तु लक्ष्मी रेड्डी - भारत की प्रसिद्ध महिला चिकित्सक, सामाजिक कार्यकर्ता और पद्म भूषण प्राप्तकर्ता थीं।

22 जुलाई के महत्वपूर्ण अवसर एवं उत्सव

- राष्ट्रीय झण्डा अंगीकरण दिवस
- राष्ट्रीय आम दिवस

Madhu priya

"इतिहास हमें प्रेरणा देता है, घटनाएं हमें सीख देती हैं और व्यक्ति हमें आगे बढ़ने की राह दिखाते हैं।"

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
TOB
खेल कॉर्नर
लॉर्ड्स में भारतीयों के
सबसे बड़े वनडे स्कोर
रोहित शर्मा
138
सौरव गांगुली
90
मोहम्मद कैफ
87*
सुरेश रैना
84
एमएस धोनी
78*
www.teachersofbihar.org
राकेश कुमार

Teachers of Bihar
— The change makers —

भारत की प्रथम महिला विधायक एवं समाजसेविका

डॉ. मुतुलक्ष्मी रेड्डी

पुण्यतिथि
22 जुलाई, 1968

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

- वे लड़कों के स्कूल में प्रवेश लेने वाली भारत की पहली महिला थीं।
- वे देश की पहली महिला डॉक्टर (मेडिकल ग्रेजुएट) भी थीं।
- वे भारत की पहली महिला विधायक बनीं और महिलाओं के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष करती रहीं।
- उन्होंने महिला शिक्षा, बाल विवाह उन्मूलन, विधवा पुनर्विवाह तथा देवदासी प्रथा उन्मूलन के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए।
- वे भारत की आजादी की लड़ाई में भी बढ़-चढ़कर सहयोग करती रहीं।

" उनका जीवन त्याग, सेवा, संघर्ष और नारी उत्थान की अद्भुत मिसाल है। "

डॉ. मुतुलक्ष्मी रेड्डी ने नारी सशक्तिकरण और सामाजिक सुधार के क्षेत्र में ऐसे कार्य किए, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे।

विनम्र श्रद्धांजलि!

Madhu priya

नारी शिक्षा, नारी सम्मान – यही था उनका अभिमान।

शिक्षा | जागरूकता | संस्कार | सफलता | / teachersofbihar

Teacher's of Bihar

The change makers

22 जुलाई

राष्ट्रीय आम दिवस

आम के स्वाद का जश्न, प्रकृति का वरदान

आम भारत का राष्ट्रीय फल है, जिसे फलों का राजा कहा जाता है।
यह न केवल स्वादीष्ट है बल्कि पौष्टिकता से भरपूर भी है।

आम के पोषक तत्व

- विटामिन A, C और E से भरपूर
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए
- पाचन तंत्र को मजबूत बनाए
- त्वचा और आँखों के लिए लाभकारी
- शरीर को उर्जा प्रदान करे

आम के प्रमुख लाभ

- इम्यूनिटी बढ़ाए
- पाचन में सहायक
- हृदय को स्वस्थ रखे
- आँखों की रोशनी बढ़ाए
- शरीर को ठंडक पहुँचाए

आम की प्रमुख किस्में

- दशहरी
- लंगड़ा
- आल्फांसो
- चौसा
- बंगनपल्ली
- तोतापुरी
- हिमसागर

आईए संकल्प लें

हम आम के पेड़ लगाएँगे, इसकी रक्षा करेंगे और
प्रकृति के इस अमूल्य उपहार को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखेंगे।

Madhu priya

"आम खाइए, खुश रहिए, स्वस्थ जीवन अपनाइए!"

Teacher's of Bihar
The change makers

22 जुलाई

भारतीय समकालीन कलाकार

हिम्मत शाह

जयंती पर

शत-शत नमन

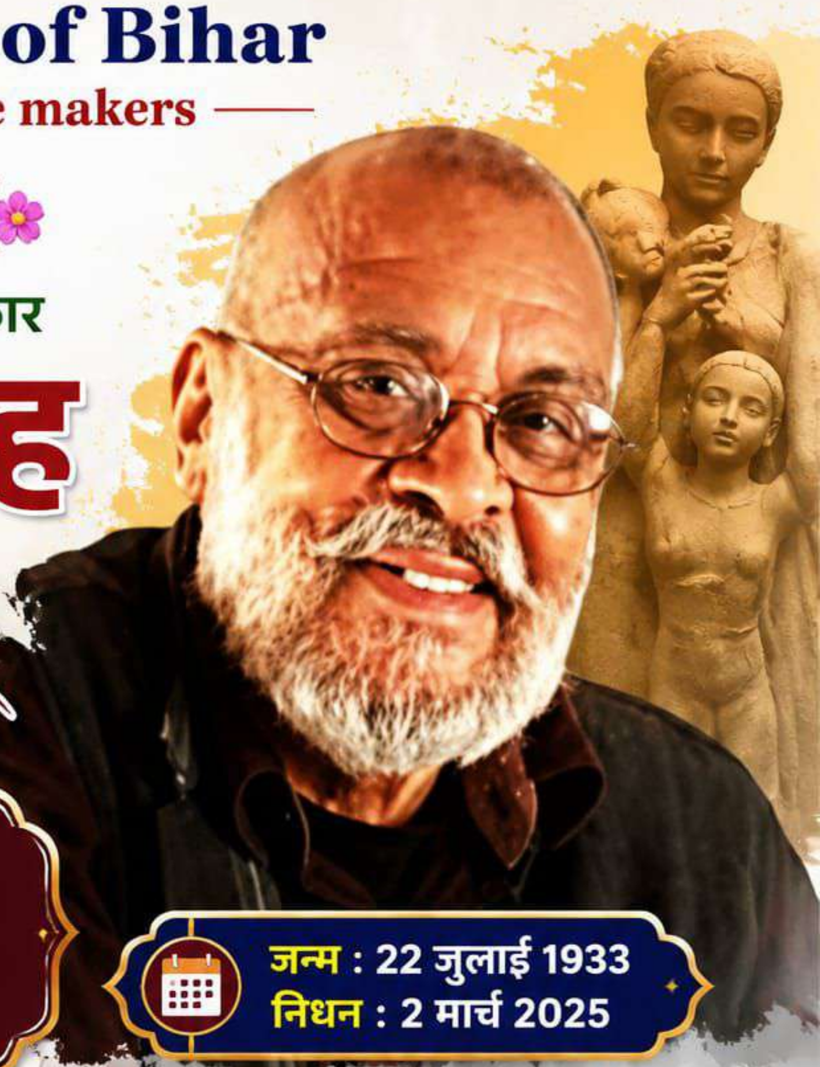

हिम्मत शाह एक भारतीय मूर्तिकार थे। उन्हें **ललित कला अकादमी राष्ट्रीय पुरस्कार**, **मध्य प्रदेश सरकार** से **कालिदास सम्मान** और **ललित कला अकादमी फैलोशिप** सहित कई पुरस्कार प्राप्त हुए।

जन्म : 22 जुलाई 1933
निधन : 2 मार्च 2025

प्रमुख सम्मान एवं उपलब्धियां

- ललित कला अकादमी राष्ट्रीय पुरस्कार
- मध्य प्रदेश सरकार से कालिदास सम्मान
- ललित कला अकादमी फैलोशिप

"हिम्मत शाह की मूर्तियों भानव जीवन की संवेदनाओं, संस्कृति और भारतीयता की अनूठी अभिव्यक्ति हैं।"

Madhu priya

www .teachersofbihar.org

कला वह दर्पण है, जिसमें समाज और मनुष्य की आत्मा दिखाई देती है।

"आवाज़ वही, एहसास वही... जो दिल को छू जाए"

22 जुलाई

प्रसिद्ध पार्श्वगायक

मुकेश की जयंती

पर सादर नमन!

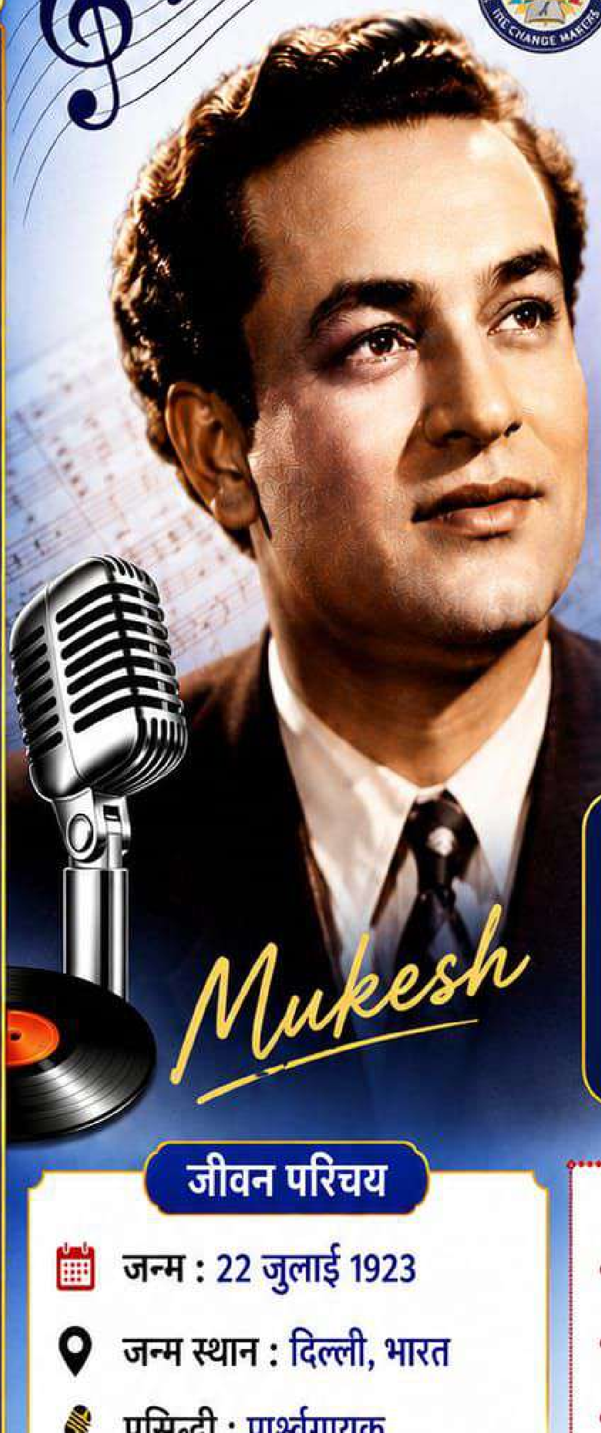

हिंदी फिल्म संगीत के स्वर्णिम युग के अमर गायक मुकेश जी की मधुर, भावपूर्ण और दिल को छू लेने वाली आवाज़ आज भी हर भारतीय के दिल में बसती है। उनकी गायकी सदैव प्रेरणा देती रहेगी।

जीवन परिचय

- जन्म : 22 जुलाई 1923
- जन्म स्थान : दिल्ली, भारत
- प्रसिद्धी : पार्श्वगायक
- सक्रिय वर्ष : 1940 – 1976
- विशेषता : दर्द भरे गीतों के बेताज बादशाह

प्रसिद्ध गीत

- कभी कभी मेरे दिल में ख़्याल आता है...
- जीना यहाँ, मरना यहाँ...
- चाहे कोई मुझे जंगली कहे...
- दोस्त दोस्त ना रहा...
- ये मेरा दीवानापन है...
- सब कुछ सीखा हमने न सीखीं होशियारी...

मुकेश जी के शब्द

मैं नहीं चाहता कि मेरे गाए हुए गीतों से मेरा नाम हो,
मैं चाहता हूं कि मेरे गीतों से लोगों के दिलों को सुकून मिले।

आपकी आवाज़ अमर है...
आपकी यादें अमिट हैं...

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

Teachers Of Bihar Presents

Smiling Faces Of Bihar

NPS खुटौना यादव टोला
पताही, पूर्वी चंपारण

www.teachersofbihar.org

MRITUNJAY KUMAR

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

Teachers Of Bihar Presents

Smiling Faces Of Bihar

मध्य विद्यालय सिमराहा
फारबिसगंज, अररिया

www.teachersofbihar.org

MRITUNJAY KUMAR

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

Teachers Of Bihar Presents

Smiling Faces Of Bihar

राजकीय प्राथमिक मकतब कबई नयाटोल
विद्यापतिनगर, समस्तीपुर

www.teachersofbihar.org

MRITUNJAY KUMAR

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

Teachers Of Bihar Presents

Smiling Faces Of Bihar

राजकीय प्राथमिक विद्यालय रेवतीथ दक्षिण
बैकुंठपुर, गोपालगंज

www.teachersofbihar.org

MRITUNJAY KUMAR